HINDI
Paper I
(LITERATURE)

Time allowed: Three Hours	*Maximum Marks: 250*

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **आठ** प्रश्न हैं, जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

प्रश्न सं. **1** और **5** अनिवार्य हैं और शेष में से तीन प्रश्नों का उत्तर दिया जाना है, जिनमें प्रत्येक खण्ड में से कम-से-कम **एक** प्रश्न होना चाहिये।

प्रत्येक प्रश्न | भाग के अंक उसके सामने अंकित हैं।

उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे।

प्रत्येक प्रश्नों के संबंध में अधिकतम शब्द संख्या निर्धारित है, वहाँ इसका अनुपालन किया जाना चाहिये।

प्रश्नों के उत्तर की गणना संख्यात्मक क्रम में की जाएगी। यदि किसी प्रश्न को काटा नहीं गया, तो उस प्रश्न को गिन लिया जाएगा भले ही उसका उत्तर आंशिक तौर पर क्यों न लिखा गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका का कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो उसे स्पष्ट रूप से काट दिया जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided into two SECTIONS.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question No. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, if specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION-'A'

1. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिये: $10 \times 5 = 50$
   (a) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ 10
   (b) हिन्दी भाषा का मानक स्वरूप 10
   (c) पश्चिमी हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ 10
   (d) रहीम की काव्य भाषा और उनकी विशेषताएँ 10
   (e) संत साहित्य में अवधी का योगदान 10

2. (a) विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के प्रयोग की स्थिति का आकलन कीजिये। 20
   (b) आरंभिक हिन्दी के विकास में अपभ्रंश की भूमिका को स्पष्ट कीजिये। 15
   (c) हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने में नागरी प्रचारिणी सभा, काशी और दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई (मद्रास) की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। 15

3. (a) पारिभाषिक शब्दावली से आप क्या समझते हैं? हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के इतिहास का उदाहरण सहित मूल्यांकन कीजिये। 20
   (b) खड़ी बोली हिन्दी के साथ उसकी प्रमुख बोलियों के अन्त:संबंध पर प्रकाश डालिये। 15
   (c) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की राष्ट्रीय चेतना की मुखर अभिव्यक्ति हिन्दी साहित्य में हुई है- सोदाहरण समीक्षा कीजिये। 15

4. (a) राजभाषा के रूप में हिन्दी को सर्वस्वीकार्य बनाने के लिये क्या कदम उठाए जाने चाहिये? सविस्तार उल्लेख कीजिये। 20
   (b) दक्खिनी हिन्दी की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये। 15
   (c) मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना के स्वरूप पर चर्चा कीजिये। 15

SECTION 'B'

5. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिये: $10 \times 5 = 50$
   (a) सिद्ध-नाथ साहित्य का भाषिक तथा साहित्यिक अवदान 10
   (b) कृष्णभक्ति काव्य धारा के विकास में विविध संप्रदायों का योगदान 10
   (c) रीतिमुक्त कवियों की प्रणय चेतना 10
   (d) भारतेन्दु ने अपने नाटकों में संस्कृत की चरित्र-चित्रण पद्धति का अनुसरण किया है- सोदाहरण समझाइए। 10
   (e) प्रेमचंद की कहानियों का मूल स्तर 10

6. (a) विद्यापति की कविताओं में व्यक्त भक्ति के स्वरूप का सोदाहरण विवेचन कीजिये। 20
   (b) भारतीय साहित्य की उपेक्षिता नारी को अपना अधिकार दिलाकर मैथिलीशरण गुप्त ने नारी विमर्श को एक नवीन दिशा दी है- कैसे? समझाकर लिखिये। 15
   (c) गोस्वामी तुलसीदास रामराज्य के माध्यम से कल्याणकारी-राज्य का आदर्श उपस्थित करते हैं- मूल्यांकन कीजिये। 15

7. (a) हिन्दी साहित्य की आलोचना परंपरा मूलत: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की मान्यताओं का ही खंडन-मंडन है- युक्तियुक्त विवेचन कीजिये। 20
   (b) जयशंकर प्रसाद के नाटकों की ऐतिहासिकता पर विचार कीजिये। 15
   (c) हिन्दी क्षेत्र की लोकनाट्य पद्धतियों का परिचय देते हुए हिन्दी रंगमंच की विकास यात्रा का मूल्यांकन कीजिये। 15

8. (a) हिन्दी साहित्य में रेखाचित्र के इतिहास का परिचय देते हुए महादेवी वर्मा के रेखाचित्रों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये। 20
   (b) जैनेन्द्र कुमार का गद्य-लेखन व्यक्ति की गुम होती पहचान को उभारकर सामने रखता है- विवेचन कीजिये। 15
   (c) मोहन राकेश के ऐतिहासिक नाटकों की मंच-सज्जा का विवेचन कीजिये। 15